स्वतंत्रता दिवस 1
डी.ई.आई. हीरक जयन्ती स्मृति व्याख्यान 2
शिक्षक–दिवस 3
राष्ट्र–स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता में सहभागिता 4
संस्कृत दिवस का आयोजन 5
हिन्दी दिवस का आयोजन 6
वैलेडू 2015 का शुभारम्भ 6
संकाय समाचार 7

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा (उ. प्र.)

डी.ई.आई. समाचार

जुलाई–अगस्त–सितम्बर–अक्टूबर 2015, अंक छह

स्वतंत्रता दिवस

दिनांक 15 अगस्त 2015, डी.ई.आई. में स्वतंत्रता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. लक्ष्मी सिंह आई. जी. आगरा आमंत्रित थीं। संस्थान के निदेशक, कुलसचिव आदि की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को और भी अधिक वर्धित कर दिया। मुख्य अतिथि डॉ. लक्ष्मी सिंह ने डी.ई. आई. आगमन पर हर्ष प्रकट करते हुए मूलतः युवावर्ग को इंगित करते हुए उन्हें नई सोच, नए विचारों के साथ राष्ट्र निर्माण पथ पर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया और 68 वर्षों की इस बड़ी समयावधि में हमने क्या खोया क्या पाया इस पर पुनः विचार करने के लिए आह्वान किया। मुख्य अतिथि महोदया के ओजस्वी प्रेरणादायी भाषण से समस्त डी.ई.आई. के विद्यार्थी अनुगृहीत हुए।

डी.ई.आई. हीरक जयन्ती स्मृति व्याख्यान

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट के दीक्षांत सभागार (आर.ई.आई. हॉल) में दिनांक 5 अक्टूबर 2015 को डी.ई.आई. हीरक जयन्ती स्मृति व्याख्यान श्रृंखला में "स्ट्रिंग सिद्धांत एवं खगोल शास्त्र" विषय पर पद्मविभूषण व शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार से सम्मानित प्रो. अशोक सेन, हरीश चन्द्र रिसर्च इंस्टीट्यूट, इलाहाबाद द्वारा व्याख्यान दिया गया। प्रो. अशोक सेन ने बताया कि स्ट्रिंग सिद्धांत व खगोल शास्त्र का परस्पर घनिष्ठ सम्बन्ध है। खगोल शास्त्र का प्रथम सिद्धांत बिग बैंग सिद्धांत माना जाता है, जिसमें ब्रह्माण्ड की तीन प्रमुख शक्तियों को सम्मिलित किया गया था। स्ट्रिंग सिद्धांत एक ऐसा एकीकृत सिद्धांत है, जिसमें ब्रह्माण्ड की चौथी शक्ति अर्थात् गुरुत्वाकर्षण को भी सम्मिलित किया गया है। उन्होंने बताया कि ब्रह्माण्ड का निरन्तर विस्तार हो रहा है और इसका औसत तापमान –270 डिग्री सेंटीग्रेड है। विस्तार के साथ ही ब्रह्माण्ड निरन्तर ठंडा भी होता जा रहा है। बिग बैंग सिद्धांत ब्रह्माण्ड की आंतरिक विषमताओं को स्पष्ट करने में सक्षम नहीं था परन्तु स्ट्रिंग सिद्धांत के पदार्पण से यह स्पष्ट हो गया कि ब्रह्माण्ड की सूक्ष्म एवं वृहद् अवस्थायें परस्पर संबंधित हैं। ब्रह्माण्ड

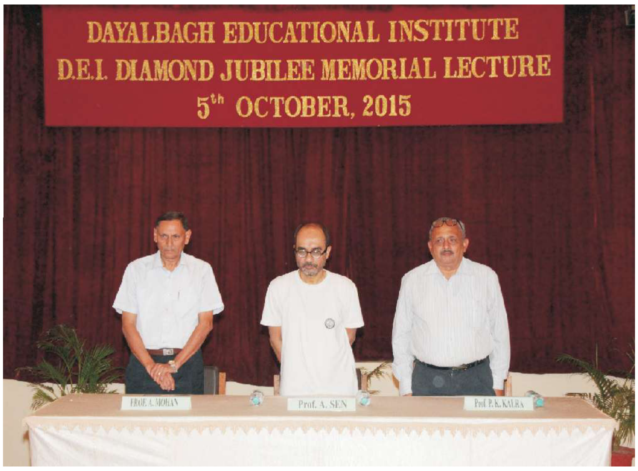

की विषमताओं के कारण ही ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति, ग्रहों, नक्षत्रों, तारामण्डल का अस्तित्व तथा जन–जीवन सम्भव है। ब्रह्माण्ड के प्रादुर्भाव, वर्तमान अवस्था एवं भविष्य को स्पष्ट किया जाना नितांत आवश्यक है जो स्ट्रिंग सिद्धांत के सहयोग से सम्भव है।

इस समारोह के आरम्भ में डी0ई0आई0 के निदेशक प्रो. प्रेम कुमार कालड़ा ने मुख्य अतिथि का संक्षिप्त परिचय दिया। संस्थान के कुलसचिव प्रो. आनन्द मोहन ने डी0ई0आई0 हीरक जयन्ती स्मृति व्याख्यान की पृष्ठभूमि को स्पष्ट किया एवं प्रो. प्रमोद कुमार ने अंत में मुख्य अतिथि सहित सभी उपस्थित छात्र–छात्राओं, शिक्षकों, अतिथियों एवं बुद्धिजीवियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो. साहब दास कौड़ा ने किया।

शिक्षक–दिवस

दयालबाग़ शिक्षण संस्थान में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कला संकाय एवं शिक्षा संकाय के छात्र–छात्राओं के द्वारा इन्टरनेशनल सेमीनार हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने महान दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के द्वारा शिक्षक के रूप में शिक्षण क्षेत्र एवं विद्यार्थियों के जीवन में दिए गए महान योगदान को प्रस्तुत किया, जिससे सम्पूर्ण परिसर महान बौद्धिक एवं भविष्य के लिए उपयोगी, प्रगतिशील एवं कल्पनायुक्त भावों से युक्त हो गया। कला एवं शिक्षा संकाय के विद्यार्थियों द्वारा अत्यंत हृदय आल्हादक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। संस्थान निदेशक एवं संकाय प्रमुखों की उपस्थिति में रस एवं भाव युक्त परम प्रभु गुरु वंदना का गायन हुआ। शीना भटनागर ने अपने भाषण में संस्थान के अध्यापकों के लिए कृतज्ञता ज्ञापन की तथा कहा कि अध्यापक ही विद्यार्थियों में निहित विशेष योग्यताओं, शक्ति, गुणों, एवं विकासशील संभावनाओं को पहचान सकते हैं एवं उन्हें अपने मार्गदर्शन के द्वारा प्रोत्साहित कर सकते हैं। उन्हीं के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों का विकास तथा कल्याण होता है। गुंजन शर्मा ने शिक्षकों के लिए काव्य के माध्यम से अत्यन्त भावयुक्त शब्दों में कृतज्ञता ज्ञापन किया। समारोह में एक समूह गान –'सा विद्या या विमुक्तये' प्रस्तुत किया गया। जिसका भाव है कि वही विद्या सार्थक है जो मुक्ति के लिए हो । उसके उपरान्त समारोह में मूल्य आधारित 'शिक्षा' नामक नाटक का मंचन हुआ। जिसके माध्यम से शैक्षिक मूल्यों एवं गुणों को प्रस्तुत किया गया। छात्रों ने विद्यार्थी जीवन में शिक्षक के महत्त्व को बताते हुए उनके सम्मान में श्लोक गायन करके श्रद्धा सुमन अर्पित किए । संस्थान के सेवा निवृत्त प्राध्यापकों प्रो. एस. के. चौहान, प्रो. रंजीत कौर सत्संगी, डॉ. संत कुमारी गोगना, श्री जे.पी. रावत, प्रो. वी. प्रेमप्यारा, प्रो. एल. डी. खेमानी, डॉ. वी. एस. कैप्रिहन, डॉ. मधुबाला सक्सेना, प्रो.पी.पी. दुआ, डॉ. एच.एम. सेठी ने अपने शिक्षण अनुभवों को छात्रों के सम्मुख प्रस्तुत किया।

मैं आपको बताऊँ, कि शुरू में दयालबाग़ के शिक्षकों और अध्यापकों के लिये 'अनुशासन' ही मूल मन्त्र (key word) था। अनुशासन विभिन्न लोगों की गतिविधियों को सही दिशा में सक्रिय करता है। यह आवश्यक है कि सम्पूर्ण व्यवस्था समुचित ढंग से संगठित हो। यह तभी सम्भव है जब कि उस ग्रुप (समूह) के समाज के मेम्बर निश्चित सिद्धान्तों के अनुसार काम करें। Param Guru Huzur Dr. M. B. Lal Sahab

राष्ट्र–स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता में सहभागिता

सरकार द्वारा जनता के हित, देश की सुरक्षा और सुदृढ़ समाज के लिये समय–समय पर अधिनियम बनाना, विधेयक पास करना और फिर उन पर अमल करना, जिसमें से कुछ कागज़ी कार्यवाही तक सीमित रह जाते हैं तो कुछ से देश की चंद जनता ही लाभान्वित हो पाती है और तब उठते हैं विपक्ष की ओर से सवाल, आरोप, प्रत्यारोप जिनका संतोषजनक जवाब देते हैं। सरकार के पदासीन विभागीय मंत्री, फिर चाहे वे वित्तमंत्री हो, कानूनमंत्री हो, स्वास्थ्य मंत्री हो, मानवसंसाधन मंत्री, शहरी विकास मंत्री या हमारे माननीय प्रधानमंत्री महोदय।

कुछ ऐसा ही नज़ारा था दयालबाग़ विश्वविद्यालय के अन्तर्राष्ट्रीय सभागार का, जहाँ 19 सितम्बर 2015 को प्रातः 11 बजे विराजमान थी युवा संसद, जिसमें मंत्रीमण्डल के साथ–साथ मौजूद था विपक्ष। ज्वलन्त मुद्दे जिनका वायदा सरकार द्वारा पूर्व में किया जा चुका था लेकिन वह अभी तक पूर्ण क्यों नहीं हो पाये ? जिसका तर्क सहित जवाब दे रहे थे देश के युवा मंत्री।

प्रश्नकाल में विपक्ष द्वारा काले धन और स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर देवयानी कौशल और शशांक ने सरकार पर प्रहार करते हुये सवाल पूछे, तो उनका जवाब दिया शब्द स्वरूप सत्संगी और नगमा मारकन ने।

कॉलिंग अटेंशन के दौरान विपक्ष में बैठी उर्वी कालरा, अबीर तनेजा और शुभांक चतुर्वेदी ने नारी सुरक्षा पर ध्यान देने की बात कही जिसका संतोषजनक जवाब दिया पक्ष में बैठी मनीषा आहूजा और पी0 सुमिरन ने।

बिल पेश किया कानून मंत्री दिशा सक्सेना ने, जिसमें जनप्रतिनिधि अर्हता अधिनियम संशोधन विधेयक भी रखा गया। विधेयक में राजनेता पात्रता हेतु नेता के लिये शिक्षित होना, अपराधिक मामलों में लिप्त न होना, युवाओं का राजनीति में ज्यादा से ज्यादा प्रवेश पर जोर दिया गया।

गंभीर मुद्दों पर चर्चा के दौरान कभी–कभी सभागार ठहाकों से भी गूँज उठा, जब विपक्ष की ओर से अर्चित अग्रवाल ने कहा कि–'मंत्री पद हेतु यदि शिक्षा अनिवार्य कर दी गयी, तो हम किस ठौर जायेंगे, जंतर–मंतर पर धूनी रमायेंगें क्या?'

काले धन पर प्रहार करते हुये विपक्ष से पुनः आवाज उठी–

'भ्रष्टाचारियों को जब ये पकड़न जात है, तो थोड़ा बहुत खुद भी खात हैं। काले को सफेद बताकर, देशभक्ति को नारा लगात हैं

और बात जब सज़ा की आत है, तो सबरी जाँच कमेटियाँ हमई पर बैठात हैं।'

अंत में युवा संसद में प्रधानमंत्री का किरदार निभा रहे उदित तिवारी ने कहा कि – 'हमें एक दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप लगाने की जगह मिल–जुलकर कार्य करना होगा और हर संभव देश को उत्तरोत्तर उन्नति हेतु आगे बढ़ाने का प्रयास करना होगा।'

युवा संसद की अध्यक्षता कर रही थी हरप्रीत कौर। मुख्य अतिथि एवं निणार्यक मण्डल के रूप में थे लोकसभा संसद के पूर्व सदस्य श्री ब्रतिम सेन गुप्ता, मंत्री, ओ0एस0डी0 श्री सुन्दरियाल और दिल्ली स्कूल ऑफ इक्नॉमिक्स दिल्ली से प्रो0 पमी दुआ।

अपने उद्‌बोधन में माननीय श्री ब्रतिम सेन गुप्ता, पूर्व सदस्य लोकसभा संसद ने युवा सांसदों को ह्रदय से बधाई दी और संसद में युवा मंत्रियों द्वारा संतोषजनक जवाबों एवं विपक्ष द्वारा उठाये गये ज्वलन्त मुद्दों की सराहना की।

मंत्री, ओ0एस0डी0 श्री सुन्दरियाल जी ने संसद की भूरि–भूरि प्रशंसा की। निर्णायक मण्डल को संस्थान के निदेशक प्रो0 पी0के0 कालड़ा द्वारा मोमेंटो प्रदान किया गया और संस्थान में उनकी गरिमामयी उपस्थिति के लिये धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर संस्थान के कुल सचिव प्रो0 आनन्द मोहन, श्री एस0के0 नैयर, प्रो0 जे0के0 वर्मा, प्रो0 एल0डी0 खेमानी, प्रो0 एस0के0 चौहान आदि उपस्थित थे।

आयोजक मण्डल में प्रो0 डी0जी0 राव, के साथ–साथ डॉ0 सोना आहूजा, डॉ0 सुमिता श्रीवास्तव डॉ0 सुशोभित सिंह, डॉ0 कविता रायज़ादा, डॉ0 प्रेम शंकर, डॉ0 रेशम चोपड़ा, मयंक श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 नन्दिता सतसंगी और धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 कविता कुमार ने किया।

संस्कृत दिवस का आयोजन

कला संकाय के संस्कृत विभाग में संस्कृत दिवस का आयोजन 10 सितम्बर 2015 में किया गया जिसमें संस्कृत की छात्राओं और शोध छात्राओं द्वारा संस्कृत भाषा का महत्त्व बताया गया एवं श्लोक गायन किये गये और हास्य व्यंग्य की लघु कवितायें भी सुनाई गयी। अंत में विभागाध्यक्षा प्रो0 उर्मिला आनंद द्वारा छात्र छात्राओं को संस्कृत के प्रचार–प्रसार को बनाये रखने की प्रेरणा दी गयी।

हिन्दी दिवस का आयोजन

कला संकाय के हिन्दी विभाग में गत 14 सितम्बर 2015 को हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें हिन्दी की महत्ता और उसके अस्तित्व पर विचारों का आदान प्रदान किया गया। जिसमें विभागाध्यक्ष एवं समस्त विभाग सम्मिलित हुआ। शोध छात्राओं और अन्य समस्त छात्राओं ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

वैलेडू 2015 का शुभारम्भ

वर्तमान समय में नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है। जिसको देखकर लगता है कहाँ खो गये हमारे नैतिक मूल्य, हमारी संस्कृति, हमारी सभ्यता, जबकि यही तो हमारी धरोहर थी। आखिर कहाँ कमी रह गयी ? कहीं हमारी शिक्षा में गुणवत्ता की कमी तो नहीं ? इसी विषय पर चिंतन–मनन किया देश–विदेश से आये शिक्षाविदों ने, जिनमें जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, यू0एस0ए0, आई0आईटी दिल्ली, आई0आईटी बनारस इत्यादि प्रमुख थे। दिनांक 30 अक्टूबर 2015 को दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट के अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सभागार, में दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारम्भ प्रातः 11.30 बजे हुआ। संगोष्ठी का विषय था–विज्ञान, अभियांत्रिकी, प्रबन्धन में मूल्यों पर आधारित शिक्षा की गुणवत्ता – नीति एवं प्रवृत्ति उद्‌घाटन समारोह के मुख्य अतिथि आई0आई0टी0, दिल्ली के पूर्व प्रो0 पी0एल0 धर थे। विशिष्ट अतिथि वाधवानी फाउन्डेशन

के एग्जीक्यूटिव वी0पी0, श्री अजय मोहन गोयल थे। इस अवसर पर देश–विदेश के जाने–माने शिक्षाविदों द्वारा प्रस्तुतिकरण के दो समानान्तर सत्रों में लगभग बीस पत्र भी प्रस्तुत किये गये। संगोष्ठी समन्वयक प्रो0 सी0 पटवर्धन ने डी0ई0आई0 शिक्षा पद्धति के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर प्रो0 बलवीर सिंह सिहाग, प्रो0आर0आर0 गौड़, आई0आई0टी0 दिल्ली के प्रो0 ए0के0 घटक, कील यूनिवर्सिटी के प्रो0 आनन्द श्रीवास्तव एवं श्री राम लिमिटेड के डी.सी.एम. प्रो0 राजीव सिन्हा ने शैक्षिक गुणवत्ता की महत्ता को उजागर किया। अपना–अपना पक्ष रखते हुये

सभी ने कहा कि ऐसी गुणवत्ता युक्त शिक्षा पद्धति हो, जिससे सम्पूर्ण मानव का विकास हो सके। उद्घाटन समारोह के अन्त में संस्थान के कुलसचिव प्रो0 आनन्द मोहन ने मुख्य अतिथि प्रो0 पी0एल0 धर जी को स्मृति चिह्न प्रदान किया। प्रो0 स्वामी प्रसाद सक्सैना ने सभी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर संस्थान की कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी, संकाय प्रमुख, कार्यकारी सदस्य एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।

संकाय समाचार

कला संकाय

डॉ. सुमन शर्मा ने दिनांक 19 जुलाई 2015 को साहित्य साधिका समिति आगरा में वर्षा रितु पर आयोजित काव्य गोष्ठी का संचालन करते हुए, काव्यपाठ भी प्रस्तुत किया।

डॉ. दयालप्यारी सिन्हा ने भोपाल में 10–12 सितम्बर, 2015 तक आयोजित दसवें विश्व सम्मेलन में सहभागिता की।

डॉ. सुमन शर्मा ने दिनांक 20 सितम्बर 2015 को साहित्य साधिका समिति आगरा में जन्माष्टमी और शिक्षक दिवस पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

डॉ0 प्रेम शंकर सिंह ने दिनांक 21 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर में आयोजित हिन्दी, संस्कृत संयुक्त पुनश्चर्या में भाग लिया।

डॉ0 निशीथ गौड़ को 13 सितम्बर 2015 को सूरसदन में 'मुंशी प्रेमचन्द के साहित्य की प्रासंगिकता' विषय पर विचार गोष्ठी में पेनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. सुमन शर्मा ने दिनांक 20 सितम्बर 2015 को साहित्य साधिका समिति आगरा में जन्माष्टमी और शिक्षक दिवस पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

डॉ. सुमन शर्मा ने दिनांक 18 अक्टूबर 2015 को साहित्य साधिका समिति आगरा में स्त्री विमर्श के संदर्भ में नवरात्र आयोजन पर अपना विशिष्ट वक्तव्य प्रस्तुत किया।

वाणिज्य संकाय

डॉ. वी. के. गंगल का शोध पत्र, ''ह्यूमन डवलपमेन्ट बैलेंस विद इकोनोमिक्स शोध, ए स्टडी ऑफ सार्क कन्टरी :– इन्डियन जनरल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, पीयर रिव्यू एण्ड रेफर्ड इन्टरनेशनल (आई.एस.एस.एन. 2249–555X) वाल्यूम–5, इशू–7, जुलाई 2015 में प्रकाशित हुआ।

डॉ. वी. के. गंगल का शोध–पत्र विषय : आर्थिक उन्नति, ए कैज्यूएलिटी एनालायसेज़ जिनेथ अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ इकोनोमिक्स

तथा मेनेजमेन्ट (आई.एस.एस.एन. 2249–8826) वॉल्यूम–5, में अगस्त 2015 पेज नं. 23–37 पर प्रकाशित हुआ।

डॉ. वी.के. गंगल का शोध पत्र करंट एकाउण्ट बैलेंस एक्सटरनल डेबिट एण्ड फॉरन डॉयरेक्टः इन्वेस्टमेंट इम्पीरियल एविडेनश फरोम इन्डिया, जिनेथ अन्तर्राष्ट्रीय जनरल ऑफ बिज़नेस, इकोनोमिक्स तथा प्रबन्धन रिसर्च (आई.एस.एस.एन. 2249–8826) वाल्यूम्–5(8), अगस्त 2015 पेज नं. 51–60 पर प्रकाशित हुआ।

डॉ. स्वामी प्रसाद सक्सैना तथा मिस. अर्चना सिंह का शोध पत्र, डिटरमिशन ऑफ इन्फलेशन इन इन्डिया : इन इकोनोमेट्रिक एनालाईसेंस, एवुलेज इन्टरनेशनल जरनल ऑफ मैनेजमेन्ट तथा डवलपमेन्ट वाल्यूम–2, इशू–8, (आई.एस.एस.एन. 2394–3378) में प्रकाशित हुआ।

विज्ञान विभाग

मिस मृणालिनी प्रसाद और आकांक्षा कैथवार ने वनस्पति विज्ञान विभाग वैशाली, ग़ाजियाबाद में तरल क्रोमेटोग्राफी पर तीन दिनों के प्रशिक्षण में (22/7/2015 से 24/7/2015) भाग लिया।

डॉ0 कविता रायज़ादा ने 4 अक्टूबर 2015 को उदयपुर, राजस्थान में 'सलिल साहित्य रत्न' सम्मान प्राप्त किया।

डॉ0 कविता रायज़ादा दिनांक 8 अक्टूबर 2015 को सेण्ट पीटर्स स्कूल में डीएलए द्वारा 'उन्नति के शिखर को पाने के लिये हम मूल्यों और संस्कृति से दूर हो रहे हैं' विषय पर आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ0 कविता रायज़ादा दिनांक 13 अक्टूबर 2015 को सेण्ट मार्क्स स्कूल में अप्सा द्वारा आयोजित ज्येष्ठ वर्ग की 'चिकित्सा सेवा है व्यवसाय नहीं' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता के निणार्यक के रूप में आमंत्रित की गईं।

डॉ0 कविता रायज़ादा को देहली पब्लिक स्कूल, दयालबाग़ में आयोजित हिन्दी सप्ताह में मुख्य अतिथि एवं निर्णायक के रूप में दिनांक 10 सितम्बर 2015 को बुलाया गया।

सम्पादकीय मण्डल

संरक्षक	:	प्रो. पी.के. कालड़ा
सम्पादक	:	प्रो. आदित्य प्रचण्डिया
उपसम्पादक	:	डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा डॉ. नमस्या डॉ. सूरज प्रकाश
सम्पादन सहयोग	:	डॉ. निशीथ गौड़ श्री अमित जौहरी
समाचार संयोजक	:	डॉ. अशोक यादव डॉ. अभिमन्यु डॉ. अनीशा सत्संगी डॉ. राजीव रंजन डॉ. वीरपाल सिंह ठेनुआ डॉ. क्षमा पाण्डेय श्री मयंक कुमार अग्रवाल